ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 407-408
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

शिक्षित कामकाजी महिलाओं की परिवार में परिस्थिति एवं भूमिका

गीता कुमारी

एम0ए0, पी–एच0डी0 समाजशास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया (बिहार) भारत।

Received- 06.08.2020, Revised- 09.08.2020, Accepted - 13.08.2020 E-mail: dr.ramnyadav@gmail-com

सारांश : ***भूमिका परम्परागत भारतीय समाज में महिलाओं को पुरूषों के अधीन रहना पड़ा है, लेकिन वर्तमान समय में उनकी स्थितियों परिवर्तन हुआ है। इसका कारण यह है कि आज की महिला में शिक्षित हो रही है तथा शिक्षा प्राप्त कर नौकरी या रोजगार के द्वारा आर्थिक रूप से आत्म निर्भर हो रही है। यही कारण है कि महिलाओं की जो परम्परागत स्थिति थी, वह आज परिवर्तित हो रही है।***

महिलायें पारिवारिक जीवन का आधार रही है। भारतीय परम्परा में पारिवारिक जीवन में महिलायें सभी अधिकारों से वंचित थी तथा पुरूषों के अधीन जीवन व्यतीत करना पड़ता था। वह स्वतंत्र रूप से न तो कोई निर्णय ले सकती थी और न कहीं आ जा सकती थी।

कुंजीभूत शब्द– भूमिका, परम्परागत, भारतीय समाज, शिक्षित, नौकरी, रोजगार, आर्थिक रूप, पारिवारिक जीवन।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। इस नियम से कोई बच नहीं सकता। महिलाओं की स्थिति को परिवर्तित करने में महिलाओं की शिक्षा जागरूकता जनसंख्यार माध्यम, औद्योगीकरण, नगरीकरण, आधुनिकीकरण महिला आन्दोलन महिलाओं में सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जागरूकता की विशेष भूमिका रही हे। इन्हीं समस्त कारकों एवं प्रक्रियाओं ने परिवार में उनकी परिस्थिति एवं भूमिका को परिवर्तित किया है।

अध्ययन का उद्देश्य– प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य परिवार में महिलाओं की परिस्थिति एवं भूमिका का अध्ययन करना है।

उपकल्पना– उच्च शिक्षित महिलाओं की तुलना में कम शिक्षित महिलाओं की परिवार में परिस्थिति निम्न होती है। शिक्षित कामकाजी महिलाओं का परिवार में महत्व बढ़ा है।

अध्ययन का क्षेत्र– प्रस्तुत अध्ययन के लिए पटना शहर का चयन किया गया है।

निदर्शन– पटना शहर के विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत दो सौ (200) कामकाजी महिलाओं का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति के द्वारा किया गया है।

उपकरण– अध्ययन क्षेत्र के चयनित शिक्षित कामकाजी महिलाओं से प्राथमिक आकड़ों का संकलन करने के लिए अनुसूची प्रविधि का निर्माण किया गया।

तथ्य संकलन के श्रोत– तथ्यों का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक श्रोतों से किया गया है।

परिणाम– प्राप्त तथ्यों से ज्ञात होता है कि अधिकांश शिक्षित कामकाजी महिलायें पारिवारिक विषयों जैसे सम्पत्ति क्रय–विक्रय, उपभोक्ता वस्तुओं का कम पारिवारिक आय–व्यय बच्चों की शिक्षा एवं Carriar तथा बच्चों के विवाह के सम्बन्ध में निर्णय लेती है।

अधिकांश शिक्षित कामकाजी महिलायें की परिस्थिति परिवार में सामान्य स्तर की है। सर्वाधिक शिक्षित कामकाजी महिलाओं का एकांकी परिवार है। प्राप्त तथ्यों से ज्ञात होता है कि अध्ययन में अध्यापिका डॉक्टर, क्लर्क तथा नर्स उत्तरदात्रियाँ सम्मिलित हैं। इन कामकाजी महिलाओं में डॉक्टर महिला की परिस्थिति परिवार में उच्च है। जिन शिक्षित कामकाजी महिलाओं का शैक्षिक स्तर स्नातक से कम है। परिवार में उनकी परिस्थिति सामान्य है। जबकि स्नातक एवं अधिक शैक्षिक स्तर के शिक्षित कामकाजी महिलाओं की परिस्थिति परिवार में उच्च है।

परिवार में परिस्थिति के प्रति संतुष्टि का स्तर का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि संयुक्त परिवार की तुलना में एकांकी परिवार में रहने वाले शिक्षित कामकाजी महिलाओं की परिस्थिति उच्च है। इसी तरह अन्य कामकाजी महिलाओं की तुलना में डॉक्टर महिला अपने परिवार में उच्च परिस्थिति से संतुष्ट है।

सर्वाधिक शिक्षित कामकाजी महिलाओं के प्रति अपने पत्नी द्वारा दिये गये समय से संतुष्ट हैं। प्राप्त तथ्यों से निष्कर्ष निकलता है कि जैसे–जैसे कामकाजी महिलाओं की सेवा की अवधि बढ़ती जाती है। वैसे–वैसे वे अपने समय से अपने पति को संतुष्ट रखने में सक्षम है। इसी तरह शिक्षित कामकाजी महिलायें जितना समय बच्चों को देना चाहिए उतना नहीं दे पाती है। शिक्षित कामकाजी महिलाओं ने कहा है कि सेवा भोजन से उनके बच्चों को कष्ट उठाना पड़ रहा है। सर्वाधिक शिक्षित कामकाजी महिलाओं ने कहा कि कार्य पर जाते समय वे अपने बच्चों को सास के पास छोड़ देती है। महिलाओं ने कहा कि घरेलू कार्यों में पति का सहयोग बहुत कम मिलता है। साथ ही साथ उनके सेवायोजन

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

से पति को कुछ दिक्कत का भी सामना करना पड़ता है। शिक्षित कामकाजी महिलाओं ने कहा कि कार्य से घर लौटने पर वह थकावट महसूस करती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. कपूर, रमा : रोल कनफिलक्ट अमंग एम्पलायड हाउस वाइल्स' 'इण्डियन जनरल ऑफ इन्डस्ट्रियल रिलेशन्स' वर्ष 5, अंक–1, जुलाई, 1969
2. कपाडिया, के०एम० : 'चेंजिंग पैटर्न ऑफ हिन्दू मैरिज' 'सोसिशेलॉजिकल कलेटिव,' वर्ष 3, अंक 2, सितम्बर, 1954 बी ।
3. देसाई, जी०बी० वीमेन इन मॉडर्न गुजराती लाइस, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई।
4. दूबे, एस०सी० मेन्स एण्ड वीमेन्स रोल्सइन इण्डिया, वीमेन इन न्यू एशिया, बारबरा, ई० वार्ड ''सम्पादक'' पेरिस, यूनेस्को ।
5. मसानी मेहरा, ''वीमेन एण्ड वर्क, पोजीशन्स ऑफ वीमेन इन इण्डिया, बम्बई ।

*****